हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, गुरुवार 11 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग महत्वपूर्ण-कलेक्टर

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक तनाव प्रबंधन एवं उनकी मानसिक स्थिति की निगरानी के संबंध में समिति के दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता ने समिति की संरचना, काउंसलर की पदस्थापना, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की काउंसलिंग, मेंटर-मेंटी, गार्डियन-ट्यूटर आदि के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बैठक में कहा कि शासकीय महाविद्यालय, आईटीआई, विद्यालयों के साथ-साथ निजी शैक्षणिक संस्थाओं तथा कोचिंग सेंटर्स की नियमित रूप से बैठकें आयोजित करें। समिति के सदस्य शैक्षणिक संस्थाओं के साथ-साथ कोचिंग सेंटर्स व छात्रावासों का निरीक्षण करें। शासन द्वारा निर्धारित गाईडलाईन के अनुसार 20 जून तक आवश्यक समितियों का गठन करें। निरीक्षण पत्रक जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करें। बैठक में समिति के अशासकीय सदस्यों से भी सुझाव लिए गए। निगरानी समिति की बैठक में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, अशासकीय सदस्य संजय तिवारी एवं चंद्रशेखर निखारे के साथ सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमती वंदना गुप्ता, सहायक संचालक शिक्षा विभाग एलएस मसराम, उपसंचालक सामाजिक न्याय श्री रोहित बड़कुल सहित संबंधित मौजूद रहे।

माटी कला के साधक बलराम चक्रवर्ती से कलेक्टर की आत्मीय मुलाकात

पारंपरिक कला को पुनर्जीवित करने हुई चर्चा

*** मिट्टी के पारंपरिक बर्तन क्या फिर आ सकते हैं व्यवहार में।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आधुनिकता की तेज रफ्तार के बीच अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संजोए रखने वाले माटी कला के कुशल शिल्पकार बलराम चक्रवर्ती से कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने उनके निवास पर पहुँचकर आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चक्रवर्ती द्वारा वर्षों से संरक्षित और विकसित की जा रही पारंपरिक माटी कला को नज़दीक से देखा तथा उनके अनुभवों को सुना। इस दौरान सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, सीएमओ नगरपालिका श्री गजानंद नाफड़े सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुलाकात के दौरान बलराम चक्रवर्ती ने मिट्टी से घी रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक पात्र का निर्माण कर उसकी विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में भोजन, अनाज, घी और अन्य आवश्यक वस्तुओं के भंडारण के लिए मिट्टी के विभिन्न प्रकार के बर्तनों का उपयोग किया जाता था, जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल थे बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी माने जाते थे।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि हमारी परंपराएं और लोक कलाएं केवल अतीत की स्मृतियाँ नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे सभी पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों और उनके उपयोग की विस्तृत सूची तैयार की जाए, ताकि उन्हें संरक्षित करने और आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जा सकें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ समन्वय स्थापित कर इन उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग, ब्रांडिंग और पहचान दिलाने के लिए कार्य किया जाए। इससे न केवल माटी कला को नया जीवन मिलेगा, बल्कि इससे जुड़े कलाकारों और कारीगरों को भी रोजगार एवं आय के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम पुनः उन पारंपरिक वस्तुओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, जो प्रकृति और संस्कृति दोनों से हमारा जुड़ाव मजबूत करती हैं।

इस अवसर पर बलराम चक्रवर्ती ने कहा कि वे माटी कला की इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने बताया कि यदि स्थानीय कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच और अवसर उपलब्ध हों तो न केवल यह कला जीवित रहेगी, बल्कि नई पीढ़ी भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित होगी।

यह मुलाकात केवल एक कलाकार और प्रशासनिक अधिकारी के बीच संवाद भर नहीं थी, बल्कि मिट्टी से जुड़ी उस सांस्कृतिक चेतना को सम्मान देने का प्रयास थी, जिसने सदियों से भारतीय जीवन शैली को आकार दिया है। मिट्टी की सोंधी खुशबू, परंपराओं की गरिमा और लोक कला के प्रति सम्मान का यह भाव कलाकारों के लिए नई उम्मीद और उत्साह लेकर आया।

आज भी विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है आदिवासी बाहुल्य मंडला

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्राकृतिक संपदा, धार्मिक महत्व, पर्यटन संभावनाओं और समृद्ध आदिवासी संस्कृति से परिपूर्ण मंडला जिला आज भी विकास की अनेक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। जिले के नागरिकों का मानना है कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भी मंडला को वह विकास नहीं मिल सका, जिसका वह वास्तविक हकदार है।

समाजसेवी अखिलेश सोनी ने कहा कि मंडला जैसे आदिवासी बाहुल्य जिले में रेल, सड़क, स्वास्थ्य, पर्यटन और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी है। जिले में रेल सुविधाओं का विस्तार आज भी सीमित है, जबकि बेहतर रेल संपर्क से क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन विकास को नई दिशा मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण और उन्नयन के क्षेत्र में भी अभी काफी कार्य किया जाना शेष है। ग्रामीण एवं दूरस्थ आदिवासी अंचलों के कई मार्ग आज भी बेहतर संपर्क की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे आमजन को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा आधुनिक सुविधाओं की कमी के कारण गंभीर मरीजों को आज भी जबलपुर, नागपुर और अन्य बड़े शहरों में रेफर किया जाता है। इससे गरीब और ग्रामीण परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

पर्यटन के क्षेत्र में मंडला की पहचान विश्व प्रसिद्ध कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, नर्मदा तट, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के कारण है, लेकिन इन संभावनाओं के अनुरूप पर्यटन अधोसंरचना का विकास नहीं हो पाया है। यदि पर्यटन को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाए तो हजारों स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि रोजगार का अभाव जिले की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उद्योगों और स्थानीय रोजगार के अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार की तलाश में अन्य शहरों की ओर पलायन करना पड़ता है।

जिले के जनप्रतिनिधियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मंडला के दीर्घकालिक विकास के लिए ठोस और प्रभावी प्रयास करने चाहिए।

उन्होंने प्रश्न उठाया कि पिछले कई दशकों में मंडला के समग्र विकास के लिए कौन-कौन से बड़े और स्थायी कार्य हुए हैं तथा भविष्य के लिए क्या ठोस योजनाएं बनाई गई हैं। जनता अब केवल घोषणाएं और आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिणाम चाहती है।

समाजसेवी अखिलेश सोनी ने कहा कि आम नागरिक अपनी मांगों को ज्ञापन, आवेदन और जन-जागरण अभियानों के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं, लेकिन विकास कार्यों को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और सरकार की है। अखिलेश सोनी ने मंडला जिले के समग्र विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया और कहा कि मंडला के नागरिक अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि विकास के ठोस परिणाम देखना चाहते हैं।

नारायणगंज क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, दो वाहन जब्त

मण्डला। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों एवं कलेक्टर मंडला के मार्गदर्शन में जिलेभर में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर 9 जून को नारायणगंज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक एमपी51एबी2171 तथा डम्पर क्रमांक ''एमपी20एक्सबी8752'' को खनिज विभाग की टीम ने अपने कब्जे में लिया। जब्त वाहनों को संबंधित थाना/चौकी प्रभारी की सुपुर्दगी में शासकीय अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध ''मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022'' के तहत प्रकरण दर्ज कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई खनिज निरीक्षक एवं विभागीय अमले द्वारा संयुक्त रूप से संपादित की गई।

बम्हनी बंजर अनियंत्रित होकर मकान के गेट में बस जा घुसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

डिंडोरी से नागपुर जा रही मजदूरों से भरी बस आकाश ट्रेवेल्स सिविल लाइन शारदा मंदिर और फॉरेस्ट नाका के बीच एक मकान के गेट से टकरा गई हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों की चिक पुकार से पूरा मोहल्ला जाग उठा आवाज सुनकर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाले राहत की बात यह है कि इस दुर्घटना में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ लेकिन कुछ पल के लिए सभी यात्रियों की सांस थम सी गई थी।

मजदूरों को ले जा रही थी बस

जानकारी के अनुसार, आकाश बस ट्रेवल्स की बस डिंडोरी से नागपुर के लिए रवाना हुई थी. बस में बड़ी संख्या में मजदूर सवार थे. इनमें कुछ मजदूर केरल में रोजगार की तलाश में जा रहे थे तो कुछ नागपुर में काम की उम्मीद लेकर सफर कर रहे थे. मंडला बस स्टैंड और बम्हनी बंजर से भी कई मजदूर बस में सवार हुए थे।

बस मकान के गेट में घुसी

बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे एक मकान के गेट में जा घुसी. हादसे की तेज आवाज और यात्रियों की चीखों से आसपास का इलाका गूंज उठा. स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान ले गए हादसे में कुछ मजदूर घायल भी हुए हैं।

पंचायत की पोल खोलती नालियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में थोड़ी ही पानी गिरने के कारण नालियां का पानी भी सड़क में बहने लगता है इन नालियों की साफ सफाई पंचायत द्वारा नहीं कराई जाती पंचायत नए-नए काम करती है पंचायत की लापरवाही के कारण नालियां की हालत इस तरह खराब है कि नालियां बंद पड़ी है और उनका गंदा पानी बीच रोड में बड़ा है जिसमें कई प्रकार की बीमारियां फैलने की आशंका है इस संबंध में लगातार लोगों ने आवेदन दिया की बरसात के पहले नालियां का सुधार कर किया जाए परंतु सरपंच और सचिव की मनमानी के कारण इन नालियों की दुर्दशा हो लोग इन नाली के गंदे पानी से परेशान हैं एक जुलाई से बच्चों के स्कूल चालू हो रहे हैं बच्चे एवं छात्राएं इन गंदे पानियों से होकर गुजरते हैं पंचायत द्वारा इस समस्या की कोई सुनवाई नहीं करती नाही ऐसे कामों में कोई कार्यवाही करती वार्ड मेंबर एवं जनता द्वारा लगातार आवेदन पंचायत द्वारा दिया जाता है परंतु इस समस्या का निदान अभी तक नहीं निकला थोड़े से पानी गिरने पर नालियों का गंदा पानी भी सड़क में बहने लगता है अतः उच्च अधिकारी से निवेदन है कि तत्काल पंचायत पर कार्यवाही की जावे।

निरीक्षण | सुभाष वार्ड की जलभराव समस्या पर प्रशासन सक्रिय।

एसडीएम व सीएमओ ने किया वार्ड का निरीक्षण

*** बारिश में सड़क हो जाती है जल मग्न।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के सुभाष वार्ड स्थित दुर्गा मंदिर के सामने वर्षों से बनी जलभराव की समस्या को लेकर वार्डवासियों की शिकायतों के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। क्षेत्रवासियों द्वारा कलेक्टर जनसुनवाई सहित विभिन्न माध्यमों से लगातार शिकायत किए जाने के पश्चात प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वार्डवासियों का कहना है कि पिछले 10 से 15 वर्षों से वर्षा ऋतु के दौरान क्षेत्र में गंभीर जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। भारी बारिश होने पर सड़कें पानी में डूब जाती हैं तथा नालियों की क्षमता कम होने के कारण गंदा पानी घरों में प्रवेश कर जाता है, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति तथा विभिन्न मार्गों से आने वाले वर्षाजल के कारण यहां बड़ी मात्रा में पानी एकत्रित हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार नालियों की चौड़ाई और गहराई पर्याप्त नहीं होने से जल निकासी प्रभावित होती है। इससे मच्छर, कीट-पतंगे एवं अन्य जीव-जंतुओं की समस्या भी बढ़ जाती है।

वार्डवासियों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में कई बार नगरपालिका एवं जिला प्रशासन को आवेदन दिए गए थे। उनका कहना है कि नगरपालिका चुनाव से पहले नाला निर्माण कार्य स्वीकृत होने की जानकारी मिली थी तथा कुछ समय कार्य प्रारंभ भी हुआ, लेकिन बाद में बंद हो गया और आज तक दोबारा शुरू नहीं हो सका।

वर्षा ऋतु निकट आने के कारण चिंतित वार्डवासियों ने सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई है तथा स्थायी समाधान होने तक शिकायत वापस न लेने की बात कही है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

इसी बीच तुरंत जिला प्रशासन मामले को गंभीरता से लिया और मौके में एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम एवं नगरपालिका अधिकारी गजानन नाफडे उसी दिन शाम को पहुंचे। अधिकारियों ने अपनी टीम के साथ वार्ड का निरीक्षण कर स्थानीय नागरिकों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने समस्त वार्ड के लोगों को आश्वासन दिया कि समस्या के अस्थायी निराकरण के लिए सात दिनों के भीतर आवश्यक कार्य किए जाएंगे तथा स्थायी समाधान हेतु भी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

नगरपालिका सीएमओ ने क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की बात भी कही है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का पालन समय-सीमा में होता है या फिर यह मामला भी अन्य लंबित योजनाओं की तरह ठंडे बस्ते में चला जाता है। फिलहाल प्रशासन की सक्रियता से वार्डवासियों में समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

कलेक्टर ने जिले की प्राचीन बावड़ियों का किया निरीक्षण

*** ऐतिहासिक विरासत को सहेजने और संरक्षण के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कलंका बुर्ज, संगम घाट के समीप स्थित प्राचीन बावड़ी, किला मंदिर परिसर स्थित बावड़ी तथा डिठौरी बीहर माता कुण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि ये प्राचीन बावड़ियाँ केवल जल स्त्रोत नहीं हैं, बल्कि हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता, वैज्ञानिक सोच और जल संरक्षण के प्रति उनकी गहरी समझ का जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि सदियों पूर्व निर्मित ये संरचनाएं उस समय की उत्कृष्ट तकनीक और स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि इन बावड़ियों का उपयोग संभवतः पेयजल संग्रहण, स्नान तथा अन्य दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता रहा होगा। उस दौर में जब आधुनिक संसाधन उपलब्ध नहीं थे, तब भी जल संचयन और संरक्षण के लिए विकसित की गई यह तकनीक अत्यंत प्रभावशाली और दूरदर्शी थी। आज के समय में भी ये संरचनाएं जल प्रबंधन के क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है कि वह ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखे और उनके महत्व को समझे। प्राचीन बावड़ियाँ हमारी सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ जल संरक्षण की समृद्ध परंपरा की भी प्रतीक हैं। इनका संरक्षण न केवल इतिहास को सहेजने का कार्य है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी माध्यम है।

कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा इनके संरक्षण और विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे इन ऐतिहासिक धरोहरों की गरिमा और पहचान बनी रहे।

खबर संक्षेप

जेब खर्च के लिये पैसा ने देने पर पुत्र ने पिता की मारपीट

गाडरवारा। युवाओं में लगातार बढ़ रहे शोंक व अवारागर्दी में पैसा बर्बाद करने की लत परिवारों में विवाद का कारण बनने से नही चूक रही है। हाल यह बन चुका है कि युवा कुछ करना चाहते नही और अपने खर्चो को पूरा करने के लिये माता पिता के साथ मारपीट करने पर उतारू होते हुये दिखाई देने लगे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम बसुरिया में देखने मिली है जहां पर पिता द्वारा पुत्र को खर्चा के लिये पैसा न देने पर पुत्र ने मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बसुरिया निवासी नबल किशोर नामक व्यक्ति द्वारा अपनी शिकायत में बताया है कि उसके पुत्र सुमित वर्मा द्वारा जब खर्च के लिये पैसा मांगे तो प्रार्थी पिता द्वारा कहा कि अभी पैसा नही है और कुछ काम क्यों नही करता है जिससे खुद का खर्च खुद ही चला सके। इसी बात को लेकर कलयुगी पुत्र द्वारा अपने पिता को गंदी गंदी गलिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीडित पिता की शिकायत पर आरोपी पुत्र के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

भजिया बनाने की बात पर मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सालीचौका निवासी राजेन्द्र पिता प्रकाश मेहरा उम्र 26 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह एक शादी समारोह के दौरान नास्ते के लिये भजिया बना रहा था उसी दौरान वही का निवासी भूरा ठाकुर एवं उसका साथी राधे श्याम कहार आये और बोले की तू अच्छे भजिया नही बनाता है और इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। प्रार्थी द्वारा जब उन्हें गाली देने से मना किया तो दोनों ने एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है।

गार्डन मार्ग पर होने वाली शराब खोरी से आम लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि शाम होते ही जिस तरह नगर के शांतिदूत तिरहा से लेकर शहनाई गार्डन के बीच खाली पड़े हुये मैदानों पर शराब खोरी करने वाले लोगों की महफिले जमते हुये देखी जा रहे है उसके चलते इस मार्ग से आम लोगों का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है..?

क्षेत्र की सड़को के उड़ रहे परखच्चे, बगैर खनन किये उठाये जा रहे काले सोने चर्चा का विषय..?

गाडरवारा गोटीटोरिया मार्ग पर दौड़ रहे कोयला से भरे ओवर लोड़िग डंपर की अनदेखी, अधिकारियों की भूमिका पर खड़े कर रही सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सरकार द्वारा ग्रामीणो की सुविधा को ध्यान में रखते हुये करोड़ो रूपया खर्च करते हुये पक्की सड़को का निर्माण तो कराया गया है। मगर क्षेत्र में जहां तहां चलने वाले रेत खनन से लेकर कोयला खनन के कारण इन ग्रामीण सड़को पर दौड़ने वाले ओवर लोड़िग वाहनों के कारण इन सड़को की क्या दुर्गति होते हुये देखी जा रही है शायद यह बात किसी से छिपी नही होगी। मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा इन ओवर लोडिंग डम्फरों की अनदेखी निश्चित तौर से इस प्रकार मनमानी करने वालों को संरक्षण देने की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक पा है? यह सच्चाई इस समय गाडरवारा गोटीटोरिया मार्ग पर खुलेआम दौड़ रहे कोयला से भरे हुये ओवर लोड़िग हाईवानुमा डम्फरों के रूप में देखने मिल रही है। बताया जाता है बीते हुये कुछ वर्ष पहले क्षेत्र समीप जंगल पट्टी के गोटीटोरिया के पास बीएलए कंपनी द्वारा कोयला निकालने का कार्य किया जाता था। मगर मा. उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बीएलए कंपनी द्वारा यहां पर अपना खनन कार्य बंद करते हुये यहां से बिदाई लेने के उपरांत कुछ दिनों तक गोटीटोरिया कोयला खदान बंद रही। वही बताया जाता है कि जब बीएलए कंपनी यहां से जा रही थी तो उसके द्वारा कोयला निकालने के लिये स्थापित की गई अपनी सभी मशीनों के साथ साथ जितना कोयला निकला गया था वह पूरा ले जाया गया था सिर्फ निम्नकोटी का कोयला यहां पर छोड़कर जाने की चर्चा थी...? मगर बीते हुये कुछ महिनों से देखा जा रहा है कि गोटीटोरिया के पास संचालित होने वाली कोयला खदान पर अन्य किसी दूसरी कंपनी का अधिकार हो चुका है। जिससके चलते इस नई कंपनी द्वारा इस समय यहां से भारी मात्रा में कोयला का भारी भरकम हाईवा डम्फरों के माध्यम से कोयला का परिवहन कराया जा रहा है..? यहां की कोयला खदान पर अपना अधिकार जमाने वाले इस कंपनी द्वारा खनन के लिये अभी तक शायद किसी भी प्रकार से कोई मशीनों की स्थापना नही की गई और न हो कोई सयंत्र स्थापित किया गया है..? मगर इसके बाद भी जिस तरह प्रतिदिन यहां से सैकड़ो की संख्या में बडे बडे डम्फर कोयला का परिवहन करते हुये देखे जा रहे है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहे है...? क्योकि जब बीएलए कंपनी यहां से अपनी बिदाई ले रही थी तो उस दौरान बताया जा रहा था कि जितने कोयले का उनके द्वारा खनन किया गया वह पूरा ले जाया चुका है तो फिर यह नई कंपनी बगैर खनन किये कहा का कोयला परिवहन करा रही है यह चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है..? कही ऐसा तो नही की बीएलए कंपनी द्वारा खुदाई के दौरान जिस कोयला को गुणवत्ता हीन बताते हुये अलग रख दिया गया था। क्या अब इस कंपनी द्वारा उसी गुणवत्ताहीन कोयला का परिवहन करनते हुये विक्रय तो नही किया जा रहा है...? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस समय देखा जा रहा है कि गाडरवारा गोटीटोरिया मार्ग पर कोयला का परिवहन करते हुये ओवर लोड़िंग डम्फरों की धमाचौकड़ी देखने मिल रही है उसके चलते निश्चित तौर से यहां पर करोड़ो रूपया की लागत से बनाई गई सड़को के परखच्चे उड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा से गरधा की ओर जाने वाले मार्ग पर देखने आसानी से मिल सकती है। जहां पर इन डम्फरों की धमाचौकडी के चलते हाल ही में बनी सड़क गड्डो से परिपूर्ण नजर आने लगी है। वही दूसरी ओर ओवर लोड़िग डम्फरों से गिरने वाले कोयला के चलते सड़क पर बिखरने से छोटे वाहन चालको का निकलना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि यहां से कोयला परिवहन करने वाले इन भारी भरकम डम्फरों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि उन में लगी हुई ट्राली को निर्धारित मात्रा से लगभग तीन फिट तक अधिक निर्माण कराते हुये तालपतरी से सच्चाई छिपाते हुये कोयला का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह खुलेआम दौड़ रहे इन ओवर लोड़िग डम्फरों की धमाचौकड़ी को स्थानीय स्तर से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये सक्षम अधिकारियों के द्वारा जिस तरह नजर अंदाज किया किया जाना जहां आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने के साथ साथ अधिकारियों की भूमिका को सबालों के कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है? क्योंकि किसी भी वाहन में लगी हुई ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उपयोग करना निश्चित तौर से यातायात नियमों के विपरित माना जाता है। मगर इसके बाद भी गोटीटोरिया पुलिस चौकी क्षेत्र से निकलकर चीचली पुलिस थाने क्षेत्र से होते हुये गाडरवारा थाना क्षेत्र से दौड़ते हुये इन ओवर लोडिंग डम्फरों की अनदेखी के चलते परिवहन विभाग से लेकर स्थानीय अधिकारियों की कर्तव्य निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुये जान पड़ने लगी है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस तरह गाडरवारा गोटीटोरिया के बीच मच रही इन ओवर लोडिंग डम्फरों की धमाचौकड़ी पूर्ण सच्चाई संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है...?

वाहन चालकों द्वारा फैंकी जाने वाली एक आग की चिन्गारी कर सकती है किसी किसान को बर्बाद

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने शौंक पूरा करने के लिये सड़को पर वाहन चलाते हुये बीड़ी या सिगरेट पीने से नही चूकते है। मगर चल रही गर्मी के दौरान उनकी का यह शौंक निश्चित ही किसी किसान को बर्बाद करने से नही चूकता है। क्योंकि वाहन चलाते हुये इस तरह बीड़ी सिगरेट पीने वालों द्वारा अपना शौंक पूरा करने के बाद बीड़ी सिगरेट के शेष बचे हुये भाग को चलते हुये गाड़ी से ही सड़क किनारे फेंक दिया जाता है सड़क किनरे पड़ा रहने वाला कचरा आग पकड़ लेता है। इस स्थिति में यदि सड़क किनारे किसी किसान की फसल खड़ी होती है तो वह उस आग की चपेट में आने से खाक होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस गाडरवारा सांईखेड़ा मार्ग पर उस समय देखने मिली जब किसी वाहन चालक द्वारा बीड़ी या सिगरेट पीने के बाद उसे सड़क किनारे फेंके जाने के बाद वहां पर पड़े हुये कचरे में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने इस तरह का विकराल रूप धारण कर लिया कि उसे बुझाना मुश्किल होते हुये जान पड़ा। वह तो अच्छा हुआ कि सांईखेडा व आसपास के जागरूक लोगों ने समय पर उस भयानक रूप लेती चली जा रही आग को देख लिया नही तो निश्चित ही आसपास के खेतों में खड़ी हुई किसानों की कई एकड़ की गेंहू फसल जलकर खाक होने से नही बच पाती। इस तरह अपना शौंक पूरा करने वालों को इस तरह की नदानी हरकतों की ओर ध्यान देने की जरूरत है।

आखिरकार शासकीय संपत्ति को लेकर क्यों उदासीनता बरत रहा है प्रशासन....?

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है। वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है। क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है?

शहर की सरकारी भूमि लगातार चढ़ रही अतिक्रमण की भेंट जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य शैली पर खड़े हो रहे सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि जब उच्च स्तर हो या फिर किसी प्रभावशाली व्यक्ति की कालोनी व किसी प्रतिष्ठान के लिये कोई निर्माण कार्य की शुरूआत हो रही होती है तो राजस्व विभाग के अधिकारी गरीबों के पट्टी को भी निरस्त कराते हुये प्रभावशाली लोगों को उनकी मर्जी के मुताबिक जगह उपलब्ध कराने में पीछे नही रहते है..? मगर सही मायने में देखा जावे तो जिस तरह सरकारी भूमि पर कब्जा होते हुये देखा जा रहा है उसमें संबंधित विभाग की मिली भगत के बगैर संभव नही माना जाता सकता है..? नगर के अंदर शासकीय भूमि का हाल इस तरह बना हुआ देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अतिक्रमण करते हुये उस भूमि को राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से विक्रय करने में पीछे दिखाई नही दे रहे है तो दूसरी ओर कुछ पहुंच वाले लोग इस तरह से भी देखे जा सकता है जिनकी पहुंच किसी बडे नेता या फिर मंत्री से होने के चलते वह शासकीय भूमि पर अपने ठेले जमाते हुये उन्हे गरीबों को किराये से प्रदान करते हुये हर माह हजारों रूपया की राशि अपनी जेबों में भरने में पीछे दिखाई नही दे रहे है..? यह सच्चाई नगर में अनेक जगहों पर देखने मिल सकती है जहां पर पहुंच वाले लोगों द्वारा शासकीय भूमियों पर अपना साम्राज्य स्थापित करते हुये रखे हुये ठेलों को किराय से चलाने में पीछे नही है..तो दूसरी ओर गुपचुप तरीके से उसका विक्रय करने में भी कोई कसर नही छोड़ रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये मंगलवार को उस समय देखने मिली जब अनुविभागीय अधिकारी द्वारा किये जा रहे जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करते हुये उसे विक्रय करने की जुगाड़ से संबंधित शिकायती पत्र एसडीएम के नाम से सौपा गया। बताया जाता है कि नितिन जायसवाल द्वारा जन सुनवाई के दौरान दिये गये अपनी शिकायत में बताया गया है कि नगर के रेल्वे स्टेशन के पास चीचली तिराहे शासकीय नलकूप के समीप महाराणा प्रताप वार्ड की शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा करते हुये विक्रय किये जाने की जुगाड़ जमाई जा रही है? इस तरह शासकीय भूमि पर किये गये कब्जे के चलते यहां पर आसाजिक तत्वों का जमाड़ा लगा रहता है। जबकि इस स्थल की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सोमवार को यहां पर साप्ताहिक सब्जी बाजार लगने के चलते शहर सहित बाहर गांवो के लोग जिसमें मुख्य रूप से महिलाये सब्जी खरीदने के लिये पहुंचती है तो दूसरी ओर यही पर बच्चों का स्कूल होने के कारण छात्र छात्राये पढ़ाई करने के लिये आते है। जबकि इस स्थल से प्रतिदिन राजस्व विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों का आना जाना बना रहता है। मगर इसके बाद भी इस तरह यहां की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से किये गये कब्जों को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है। इस तरह का हाल नगर के चीचली मार्ग रेल्वे फाटक के पास का भी देखने मिल रहा है जहां पर निर्माणाधीन ओबर ब्रिज के नीचे लगातार अवैध रूप से लोगों द्वारा अपने टपरे स्थापित करते हुये कब्जा जमाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। यहां पर हुये अतिक्रमण के चलते देखा जाता है कि देर रात के आवारा गर्दी होने के चलते यह आसामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुहा है। जहां पर शराब खोरी से लेकर अन्य प्रकार के मादक पदार्थो का दोर देर रात के चलने के कारण शहर से ग्रामीण क्षेत्रों में जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है।

शहर की तरह गांवों के तालाबो का उद्वार होने की महसूस की जा रही आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप बना हुआ तालाब वर्तमान स्थिति जिस तरह अपनी सुन्दरता का प्रदर्शन करते हुये लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है निश्चित तौर से नगर की समाजसेवी लोगों के द्वारा किये गये प्रयास की एक अनूठी पहचान का उल्लेख जान पड़ रहा है? यदि इस तालाब की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ वर्ष पहले जहां जहां यह तालाब जल विहीन होकर सपाट मैदान में तब्दील हो चुका था। वही नगर के इस एक मात्र तालाब में उगी झाडियों ने इसका अस्तिव ही मिटा दिया गया था। वही वर्षो पहले उक्त तालाब का गहरीकरण कराने की प्रशासन ने कवायद की थी किन्तु इस तालाब को बिना गहरा किए असुरक्षित छोड़ दिया गया था, जिसके चलते नपा के प्रयासों से बीते हुए वर्ष उसकी चारों का बाउन्ड्री बाल करते हुए सुन्दर बनाने का प्रयास किये जाने के साथ साथ इस तालाब को नगर के समाजसेवियों द्वारा छेड़ी गई मुहिम का परिणाम है कि यह तालाब दिनों दिन जहां अपने अनोख रूप धारण करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के लिये आकर्षित करने से भी नही चूक रहा है। इस तरह नगर के समाजसेवियों द्वारा तालाब को लेकर छेड़ी गई इस मुहिम के चलते निश्चित ही संपूर्ण क्षेत्र में अनोखा संदेश मिलते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि क्षेत्र का ऐसा कोई गांव नही होगा जहां पर तालाब के नाम पर शासकीय भूमि नही पड़ी हो..? मगर वहां पर तालाब तो नजर नही आ रहे है और अतिक्रमण की भेंट चढ़ते चले जा रहे है। क्योंकि इस तरह गांवों में तालाब के नाम पर पड़ी हुई उस शासकीय भूमि पर निश्चित तौर से प्रभावशाली लोगों की फसल जरूर लहलहाते हुये देखी जा रही है, जो प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुये गांवों में बने हुये तालाबों का आस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगभग 12 वर्ष पूर्व गांवों में तालाब बनाने की योजना के तहत गांव गांव तालाबों को निर्माण कराते हुए जहां सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किये गये थें। मगर वर्तमान स्थिति में तालाबों को देखते हुए जहां उस समय खर्च किया गया रूपया सिर्फ बर्बादी के आलवा और कुछ जान नही पड़ रहा है? वही दूसरी ओर तालाबों के नाम पर पड़ी शासकीय भूमि पर या तो किसी प्रभावशाली व्यक्ति का कब्जा बना हुआ है या फिर किसी की फसल लहरा रही है? मगर जिन जगहों पर कुछ तालाब शेष बचे हुए है उनकी स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह सूख चुके है और उनकी गहराई कम होती जा रही है साथ ही अस्वच्छता ने गांवों के तालाबों का बुरा हाल कर दिया गया है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि वह जनहित में शहर की ही तरह क्षेत्र के गांवों के तालाबों का गहरीकरण करते हुए उन्हें सुन्दरता प्रदान करने की पहल की जावे तो निश्चित ही शहर की तरह गांवों के तालाबों का रूप निखर सकता है और गर्मी के दिनों में गिरने वाले जल स्तर को भी बचाया जा सकता है।

गन्ना फसल को तबाह कर रहे सुअर अन्नदाता किसानों की बढ़ी मुसीबत

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। लगातार प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को इतना नुकसान पहुँचाया है कि उनकी आर्थिक दशा सॅभलने का नाम नही ले रही है और कर्ज के शिकंजे में जकड़े किसान विभिन्न समस्यो से छुटकारा पाने छटपटा रहे है। बीते वर्षो में फसल सीजन में अल्प वर्षा से किसानों की फसलों की पैदावार अच्छी न होने के बावजूद हौसले को किसी तरह बुलन्द कर खाद, बीज का किसी तरह जुगाड़ कर दूसरी फसलों की बोवनी की थी मगर वह भी उम्मीदों पर पानी फेरने में पीछे नही रही। बताया जाता है कि किसानों खेतों में इस समय गन्ना फसल लगी हुई है। मगर देखा जा रहा है कि इस समय पड़ रही सूरज के तेज तपन व जंगल क्षेत्र में जल स्रोत सूख जाने के कारण जंगली वन्य प्राणी अब किसानों के खेतों की ओर रूख करते हुये गन्ना फसलों के बीच अपना डेरा जमाये हुये देखे जा रहे है। इस तरह जंगली सुअर, हिरण और बंदर तबाह कर रहे है। इस स्थिति के बीच जब किसान अपनी गन्ना फसलों में सिंचाई करने के लिये पहुंचते है तो यह जंगली सुअर उन पर हमला करने में भी पीछे नही रहते है। इस प्रकार जहां किसानों की फसले तो बर्बाद हो ही रही है दूसरी ओर उनकी जिन्दगी खतरे से भी खाली नही बच पा रही है। ऐसे में परिस्थितियों से लाचार किसानो को व्यर्थ कृषि लागत जाने और फसलों की पैदावार कम होने का अंदेशा सताने लगा है। क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों का कहना है कि उनके खेतों में खड़ी हुई गन्ना फसलों को जंगली सुअर बर्बाद कर रहे है। गॉवों में सर्वाधिक वन्यजीव बन्दरों का आतंक है, जो झुंड में रहते है और मौका देखकर किसानो की फसलों को नुकसान पहुंचाते है। हालत यह है कि बंदर एक दिन में एक एकड़ में लगी गन्ना फसल तबाह कर रहे है और गन्ना फसल को खाते हुए उसे तहस नहस कर रहे है। किसानों का कहना है कि हिरण, बंदर, सुअर जंगल क्षेत्र की स्थितियाँ प्रतिकूल होने से किसानों को नुकसान पहुँचाने ग्रामों में पलायन कर रहे है। इस बारे में वन विभाग के अधिकारियों से पूर्व में कई बार शिकायतें की गयी किंतु गन्ना फसलों को विनष्ट करने वाले जंगली, सुअरों को नियंत्रित करने की कार्यवाही वन विभाग की ओर से नही की जा रही जिसका खामियाजा किसानों को भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है।

नियम विरूद्व तरीके से हो रही बबूल लकड़ी का अवैध परिवहन, वन विभाग की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से क्षेत्र की जंगलों को लकड़ी माफियों द्वारा रातो रात सफाया किया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय वन विभाग की कार्य प्रणाली चर्चाओं में बनी हुई है? वही दूसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? जबकि शासन द्वारा बीते हुये वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कही जाने के उपरांत भी देखा जा रहा हे कि धडल्ले से बबूल के पेडों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है? मगर क्षेत्र में देखा जा रहा है कि क्षेत्रवासियों की मिली भगत के चलते कुछ दूसरे प्रांतो से आये हुए लोगों द्वारा म.प्र. से बबूल सहित अनेक प्रकार के पेड़ो की लकड़ी को ओने पोने दामों में खरीदकर अपने प्रांतों में ले जायी जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्र में बाहर से आये हुए बबूल माफियों द्वारा यहां से बबूल की लकड़ी खरीदकर अपने प्रांत को अवैधानिक रूप से खुलेआम परिवहन करते हुए देखे जाने के बाद भी बन विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना निश्चित तौर से वन अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से धडल्ले से चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत का संदेह पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है? इस प्रकार क्षेत्र के गांवों से बबूल के पेड कटने के साथ उनका परिवहन होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े हुए बबूल के जंगल जहां आज साफ होने के बाद सिर्फ उनके ठूट ही ठूट नजर आ रहे है?

लू- तापघात से बचाव के लिए शासन द्वारा जारी की गई एडवायजरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय पड़ रही तेज तपन के चलते जहां लोगों की बीमार होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर लू के शिकार होने वाले लोगों के घरों में अपने पूर्वजो द्वारा बनाये गये देशी नुक्शों का उपयोग करना आम बात होती चली जा रही है। मगर लू से बचाव को लेकर राज्य शासन के मप्र राज्य आपदा प्राधिकरण गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में समस्त निर्माण विभाग एवं सभी ठेकेदारों के साथ साथ सभी कारखानों एवं संनिर्माण स्थलों पर लू- तापघात से श्रमिकों के बचाव के लिए आवश्यक जरूरी उपाय करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। वही बताया जाता है कि इस संबंध में जिला श्रमपदाधिकारी ने बताया कि सभी औद्योगिक एवं अन्य क्षेत्रों के कामगारों को लू से बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जावे।

खबर संक्षेप

ग्राम सभा की अनदेखी पर भड़का गांव, पंचायत कार्यालय में जड़ा ताला

अनूपपुर। जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में ग्राम सभा के प्रस्ताव को नजरअंदाज किए जाने के आरोपों ने ग्रामीणों के आक्रोश को सड़क पर ला दिया। बुधवार को करीब 500 ग्रामीण पंचायत कार्यालय पहुंच गए और विरोध स्वरूप कार्यालय में ताला जड़कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा द्वारा रानी सागर बांध को तीपन मछुआ समिति को मत्स्य पालन के लिए लीज पर देने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन मत्स्य विभाग ने इस प्रस्ताव को दरकिनार करते हुए बांध की लीज सिंह वाहिनी समिति को आवंटित कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और उसके प्रस्तावों की अनदेखी करना गांव की सामूहिक इच्छा का अपमान है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निर्णय वापस लेने और ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुरूप लीज आवंटन की मांग की। पंचायत कार्यालय में ताला लगाए जाने से दिनभर पंचायत के नियमित कार्य प्रभावित रहे और कर्मचारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उनका कहना है कि जब ग्राम सभा के निर्णयों को ही महत्व नहीं दिया जाएगा तो फिर ग्राम सभाओं के आयोजन का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।वहीं इस पूरे मामले पर जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि उन्हें पंचायत कार्यालय में ताला लगाए जाने की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में अवकाश पर हैं, इसलिए मामले की विस्तृत जानकारी उनके पास उपलब्ध नहीं है।अब ग्रामीणों के आंदोलन के बाद प्रशासन और मत्स्य विभाग की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

अमरकंटक की बेटी शिखा सिंह राजपूत ने रचा सफलता का नया इतिहास

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक की प्रतिभाशाली बेटी शिखा सिंह राजपूत ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक पद पर चयनित होकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे नगर का नाम गौरवान्वित किया है। उनके चयन की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त हो गया तथा परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाइयों का तांता लग गया। शिखा सिंह राजपूत की इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। उनका चयन जबलपुर में हुआ है, जो उनके संघर्ष और अथक प्रयासों का परिणाम है। शिखा ने अपनी प्रारंभिक एवं विद्यालयीन शिक्षा सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अमरकंटक से प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे अनुशासित, मेहनती एवं प्रतिभावान रही हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संस्थान के लिए गौरव का विषय बताया है। इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का विशेष योगदान रहा है। उनकी माता नेहा सिंह राजपूत एवं पिता हर नारायण सिंह राजपूत ने सदैव उन्हें उच्च शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। परिवार के सहयोग, मार्गदर्शन और शिखा की अथक मेहनत ने आज उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों तथा शिक्षाविदों ने शिखा सिंह राजपूत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

जिले के 23 आंगनबाड़ी केंद्रों को नए भवनों की सौगात, 2.58 करोड़ रुपये होंगे खर्च

डिंडौरी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी सौगात देते हुए 23 भवनविहीन आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए नए भवनों की स्वीकृति प्रदान की है। इन भवनों के निर्माण पर प्रति केंद्र 11.22 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। कुल मिलाकर लगभग 2.58 करोड़ रुपये की लागत से यह निर्माण कार्य कराया जाएगा।महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा जारी स्वीकृति पत्र के अनुसार नए भवन डिंडौरीए मेंहदवानीए शहपुरा और अमरपुर विकासखंड के विभिन्न गांवों एवं टोलों में बनाए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चोंए गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

डिंडौरी विकासखंड में अमनी पिपरिया मालए कुईमाल घुरसिया.4ए घुरसिया.5ए चिरंगांव रैयतए ठाकुरटोलाए दुनियामालए बंजारी टोलाए बगहाईए मुड़िया खुर्द.2ए रेलीमालए सिलेहरी.1ए केवलारी माल तथा जुनवानी.1 आंगनवाड़ी केंद्रों को नए भवनों की स्वीकृति मिली है। वहीं मेंहदवानी विकासखंड के ईमली टोला सुड़गांवए तलहा टोला मुलालापानी तथा हर्री टोला पड़री केंद्रों को भी इस योजना में शामिल किया गया है।शहपुरा विकासखंड के मटवारी ग्राम पंचायत अंतर्गत निवारी एवं पोड़ी माल आंगनवाड़ी केंद्रों को भी भवन निर्माण की मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा अमरपुर विकासखंड के पिंडरूढ़ीए बनवारीटोलाए बिजौरी माल तथा सड़कटोला आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए भी नए भवन स्वीकृत किए गए हैं।उल्लेखनीय है कि जिले के कई आंगनवाड़ी केंद्र अब तक किराए के भवनों या अस्थायी स्थानों पर संचालित हो रहे थे। भवनों के अभाव में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षाए पोषण आहार वितरणए टीकाकरण तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नए भवनों के निर्माण से इन केंद्रों को स्थायी आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।मंत्री ने जनप्रतिनिधियोंए संबंधित अधिकारियोंए सरपंचों एवं पंचायत सचिवों से निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। माना जा रहा है कि इन भवनों के निर्माण से जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाड़ी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा विभागीय योजनाओं का लाभ जरूरतमंद हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

अमरपुर क्षेत्र के स्वच्छता परिसर बने शोपीस

अमरपुर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसर अमरपुर जनपद पंचायत क्षेत्र में अपेक्षित उपयोगिता साबित नहीं हो पा रहे हैं। जनपद पंचायत अमरपुर की सभी 43 ग्राम पंचायतों में एक या एक से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया हैए लेकिन अधिकांश परिसर आज भी उपयोग से बाहर बताए जा रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार कई स्वच्छता परिसरों में निर्माण के बाद से ही ताले लगे हुए हैं। लंबे समय से उपयोग नहीं होने के कारण कई परिसरों के ताले और दरवाजों पर जंग तक लग चुकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर निर्मित इन परिसरों का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।अमरपुर मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत देवरी में मुख्य मार्ग के किनारे निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर भी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परिसर के समीप अतिक्रमण कर व्यावसायिक निर्माण कर लिया गया हैए जिससे परिसर की उपयोगिता और भी प्रभावित हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि परिसर को चालू भी किया जाता है तो आसपास की स्थिति के कारण विशेषकर महिलाओं के लिए इसका उपयोग असुविधाजनक हो सकता है।ग्रामीणों के अनुसार स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में कई लोग आज भी नदी तटों और खुले स्थानों का उपयोग करने को मजबूर हैं। इससे स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि पूर्व में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण योजनाओं में भी अनियमितताएं सामने आई थीं। उनका दावा है कि कुछ मामलों में हितग्राहियों के नाम पर राशि आहरित किए जाने के बावजूद शौचालयों का निर्माण नहीं हुआ। एक मामले में शिकायत और जांच के दौरान अनियमितता प्रमाणित होने की बात भी सामने आई थीए लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी संबंधित हितग्राही को लाभ नहीं मिल सका और न ही जिम्मेदारों पर कोई प्रभावी कार्रवाई हुई।ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्वच्छता परिसरों का नियमित संचालन और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए तो ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकती हैं। साथ ही उन्होंने प्रशासन से बंद पड़े परिसरों की स्थिति की समीक्षा कर उन्हें उपयोग में लाने की मांग की है।स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी को लेकर अब क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग इस ओर ध्यान देकर बंद पड़े परिसरों को संचालित कराने और योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया जागरूक

खेत बचाओ अभियान के तहत कृषक चौपालों का आयोजन

किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया जागरूक

डिंडौरी। भारत सरकार द्वारा 1 जून से 30 जून 2026 तक संचालित किए जा रहे ष्खेत बचाओ अभियानष् के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कृषक चौपालों का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में मंगलवार को आत्मा योजना के तहत विकासखंड बजाग के ग्राम मझीयाखारए करंजिया विकासखंड के ग्राम मानिकपुर रैयत तथा मेंहदवानी विकासखंड के ग्राम कोसमघाट में कृषक चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक खेती के कारण मृदा स्वास्थ्यए पर्यावरण तथा मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषि विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को मृदा की उर्वरता बनाए रखने के उपाय बताए। इस दौरान बी जा मृ त ए जीवामृत और नीमास्त्र के निर्माण एवं उपयोग की विधियों की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन लागत में कमीए भूमि की गुणवत्ता में सुधार तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे लाभों से किसानों को अवगत कराया गया।कार्यक्रम का आयोजन संबंधित विकासखंडों के बीटीएम ;ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजरद्ध के मार्गदर्शन में किया गया। कृषक चौपालों में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं और अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

निर्माण स्थल की उपयोगिता पर विवाद ग्रामीणों ने कार्य रोकने की उठाई मांग

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर की ग्राम पंचायत कुकर्रामठ में निर्माणाधीन पुलिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ;सीईओद्ध को शिकायत पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।ग्रामीणों के अनुसार पंचायत क्षेत्र के पुरनिहिया तालाब के समीप लगभग छह लाख रुपये की लागत से पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि जिस स्थान पर पुलिया बनाई जा रही हैए वहां न तो कोई स्थायी नाला है और न ही ऐसा जल निकासी मार्गए जहां इस प्रकार के निर्माण की आवश्यकता महसूस होती हो। ऐसे में सार्वजनिक धन से किए जा रहे इस निर्माण कार्य की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए

कथित रूप से भ्रामक जानकारी और दस्तावेजों का उपयोग किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कार्य स्वीकृत होने से पूर्व स्थल का समुचित तकनीकी निरीक्षण नहीं कराया गयाए जिसके कारण निर्माण की आवश्यकता का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन नहीं हो सका।ग्रामीणों ने पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारियों पर भी नियमों की अनदेखी कर कार्य कराए जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया तथा मजदूरी भुगतान से संबंधित अभिलेखों में भी अनियमितताओं की आशंका है। शिकायतकर्ताओं ने मस्टर रोलए भुगतान विवरण और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि मामले की समय रहते जांच नहीं की गई तो शासकीय राशि के दुरुपयोग से शासन को आर्थिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की स्वीकृतिए तकनीकी अनुमोदनए वित्तीय अभिलेखों और कार्यस्थल की वास्तविक स्थिति की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं ने जांच पूर्ण होने तक निर्माण कार्य स्थगित किए जाने की भी मांग उठाई है। उनका कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। हालांकिए ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की अभी तक प्रशासनिक स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। अब निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई और संभावित जांच प्रक्रिया पर टिकी हैं।

ग्राम पंचायत बड़खेरा के विकास कार्यों की जांच की मांग ग्रामीण ने प्रशासन को सौंपा शिकायत पत्र

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़खेरा में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों को लेकर एक ग्रामीण ने प्रशासन से जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता हरप्रसाद उरैती ने एसडीएम शहपुराए जिला पंचायत डिंडौरी तथा कलेक्टर डिंडौरी को लिखित आवेदन देकर पंचायत क्षेत्र में संपादित कई निर्माण एवं विकास कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराने का अनुरोध किया है।शिकायत में नल.जल योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइनए उपयोग की गई सामग्री तथा संबंधित भुगतान प्रक्रिया की जांच की मांग की गई है। इसके अलावा जल परिवहन कार्यए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत घोघरा नाला विस्तारए रिचार्ज पिट निर्माण एवं लुकनी नाला में निर्मित अमृत सरोवर कार्यों की गुणवत्ता और स्वीकृत राशि के उपयोग की भी जांच कराने की मांग उठाई गई है।

शिकायतकर्ता ने शोहन परस्ते के घर से संतोष परस्ते के घर तक निर्मित सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य की भी जांच कराने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इन कार्यों में स्वीकृत राशि के उपयोग और निर्माण गुणवत्ता का परीक्षण कराया जाना आवश्यक है।इसके अतिरिक्त घोघरा नाला बड़खेरा एवं भरद्वारा में निर्मित स्टॉप डैम तथा जमहरिया नाला में बनाए गए स्टॉप डैम कार्यों की भी

जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या निर्माण कार्यों में गुणवत्ता संबंधी कमी सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।हरप्रसाद उरैती ने प्रशासन से मांग की है कि सभी संबंधित कार्यों का तकनीकी परीक्षण एवं वित्तीय ऑडिट कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाएए ताकि ग्रामीणों के बीच पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।फिलहाल शिकायत संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है। मामले में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब प्रशासनिक जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इनका कहना है

मैंने ग्राम पंचायत बड़खेरा में कराए गए विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की जांच के लिए एसडीएम शहपुराए जिला पंचायत और कलेक्टर महोदया को शिकायत दी है। निष्पक्ष जांच होने पर वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

कृ हरप्रसाद उरैती
शिकायतकर्ता ग्रामीण

जिलेभर में लगेंगे जन कल्याण शिविर पात्र हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ

डिंडौरी। केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 12 जून से 18 जून 2026 तक विशेष जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया जाएगा।

प्रशासन के अनुसार शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र लेकिन अब तक वंचित नागरिकों की पहचान कर उनका पंजीयनए आवेदन स्वीकृति तथा हितलाभ वितरण किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।शिविरों के सफल संचालन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।निर्धारित कार्यक्रम के तहत 12 से 14 जून तक जनपद पंचायत डिंडौरीए नगर परिषद डिंडौरी एवं जनपद पंचायत अमरपुर में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार 15 से 17 जून तक जनपद पंचायत शहपुराए नगर पंचायत शहपुराए जनपद पंचायत बजागए करंजिया एवं समनापुर में शिविर लगाए जाएंगे। वहीं जनपद पंचायत मेहंदवानी में 16 से 18 जून तक जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया जाएगा।शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल एवं प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इनमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागए जल संसाधन विभागए महिला एवं बाल विकास विभागए सामाजिक न्याय विभागए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागए अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभागए शिक्षाए ऊर्जाए श्रमए स्वास्थ्यए आयुषए खाद्यए कृषिए उद्यानिकी पशुपालनए मत्स्य पालनए सहकारिता विभाग तथा

आजीविका मिशन एवं आत्मा परियोजना सहित अन्य विभाग शामिल रहेंगे।

इन विभागीय स्टॉलों पर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से संबंधित जानकारीए आवेदनए पंजीयन एवं विभिन्न हितलाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही शिविरों में प्राप्त आवेदनों का पंजीयन एवं निराकरण सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।कलेक्टर ने सभी विभागों को योजनाओं के व्यापक प्रचार.प्रसार के लिए फ्लेक्स एवं बैनर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को गांव.गांव मुनादी एवं जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैंए ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविरों का लाभ उठा सकें। प्रशासन द्वारा शिविर स्थलों पर पेयजलए विद्युत एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करें तथा पात्र हितग्राहियों को भी शिविरों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करें।जनकल्याणकारी शिविरों की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिकए एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावीए डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैनए तहसीलदार शशांक शिंदे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेत बचाओ अभियानष के तहत कृषक चौपालों का आयोजन किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया जागरूक

डिंडौरी। भारत सरकार द्वारा 1 जून से 30 जून 2026 तक संचालित किए जा रहे ष्खेत बचाओ अभियानष् के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कृषक चौपालों का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में मंगलवार को आत्मा योजना के तहत विकासखंड बजाग के ग्राम मझीयाखारए करंजिया विकासखंड के ग्राम मानिकपुर रैयत तथा मेंहदवानी विकासखंड के ग्राम कोसमघाट में कृषक चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक खेती के कारण मृदा स्वास्थ्यए पर्यावरण तथा मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषि विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को मृदा की उर्वरता बनाए रखने के उपाय बताए। इस दौरान बीजामृतए जीवामृत और नीमास्त्र के निर्माण एवं उपयोग की विधियों की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन लागत में कमीए भूमि की गुणवत्ता में सुधार तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे लाभों से किसानों को अवगत कराया गया।कार्यक्रम का आयोजन संबंधित विकासखंडों के बीटीएम ;ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजरद्ध के मार्गदर्शन में किया गया। कृषक चौपालों में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं और अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

जनसुनवाई की शिकायत पर कार्रवाई, सड़क निर्माण कार्यों की शुरू हुई तकनीकी जांच

शहपुरा। नगर परिषद शहपुरा में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़कों की गुणवत्ता को लेकर की गई शिकायत के बाद प्रशासन ने जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। कलेक्टर डिंडौरी के निर्देश पर गठित दो सदस्यीय जांच दल मंगलवार को शहपुरा पहुंचा और शिकायत में शामिल निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर सड़कों की गुणवत्ता परखने के लिए कोर कटिंग के माध्यम से नमूने एकत्र किए।जानकारी के अनुसारए 21 अप्रैल 2026 को आयोजित जनसुनवाई में शहपुरा निवासी रामदयाल यादव ने नगर परिषद क्षेत्र में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताए भ्रष्टाचार एवं घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में विशेष रूप से कायाकल्प योजना और मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत निर्मित सीसी सड़कों की गुणवत्ता और निर्माण कार्यों की जांच की मांग की गई थी।

शिकायतकर्ता का आरोप था कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं हुआ है तथा निर्धारित गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग नहीं किया गया। इसके अलावा स्वीकृत कार्ययोजना और वास्तविक निर्माण कार्य के बीच भी अंतर होने की बात कही गई थी। शिकायत में वार्ड क्रमांक 3 और 4 में निर्मित विभिन्न सीसी सड़कों का उल्लेख करते हुए निर्माण स्थलों एवं कार्य की मात्रा को लेकर सवाल उठाए गए थे।मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने एसडीओ पीआईयू और एसडीओ लोक निर्माण विभाग को शामिल करते हुए दो सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। जांच दल ने मौके पर पहुंचकर संबंधित सड़कों का भौतिक सत्यापन किया

तथा सड़क की मोटाई और निर्माण गुणवत्ता की जांच के लिए कोर कटिंग कर नमूने एकत्र किए। जांच अधिकारियों के अनुसार एकत्र किए गए नमूनों को परीक्षण के लिए जबलपुर स्थित अधिकृत प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और स्वीकृत एस्टीमेट के अनुरूप किया गया है या नहीं।निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर सड़क की सतह से गिट्टी उखड़ने और निर्माण गुणवत्ता से जुड़ी अन्य स्थितियों पर भी अधिकारियों ने नाराजगी जताई। साथ ही नगर परिषद के संबंधित इंजीनियर को आवश्यक सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासनिक सूत्रों के

अनुसार जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। यदि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की अनियमितता या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।नगर परिषद शहपुरा में कराए गए विकास कार्यों की जांच को लेकर नगरवासियों की निगाहें अब प्रयोगशाला की रिपोर्ट पर टिकी हुई हैंए जिससे शिकायत में लगाए गए आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इनका कहना है

शहपुरा निवासी रामदयाल यादव द्वारा सीसी सड़क की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की गई थी। कलेक्टर महोदया के निर्देश पर गठित जांच दल द्वारा आज संबंधित सड़कों की कोर कटिंग कर नमूने लिए गए हैं। इन सैंपलों को परीक्षण के लिए जबलपुर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कृ राजेश विश्वकर्मा एसडीओ पीआईयू

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 11 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

पर्यावरण व जल संरक्षण हेतु ठोस प्रयास जरूरी: मंत्री श्री पटेल

कायाकल्प योजना के तहत 6 सड़कों का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें जनप्रतिनिधियों के द्वारा गांव में रात्रि विश्राम, स्वच्छता, पौधरोपण, विकास कार्य सहित विशिष्ट नागरिक जनों से भेंट कर जनसंवाद करना शामिल है। मंत्री श्री पटेल बुधवार को ग्राम पंचायत नकटुआ में अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह व अन्य अतिथियों ने 20 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) और यशोदा गार्डन शंकराचार्य वार्ड नरसिंहपुर में कायाकल्प योजना के तहत 346.75 लाख रुपये लागत की 06 सड़कों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने पीएम स्वनिधि योजना, शहरी क्षेत्र में पट्टा और भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

गरीबों के हित मे काम कर रही सरकार

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के हित में लगातार काम कर रही है। देश के गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है, जिससे गरीब परिवारों को खाद्यान्न की समस्या न रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी जैसी अधोसंरचनात्मक कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव में पक्की सड़कों और पुल-पुलियो का निर्माण कर गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा गया है।

प्रदेश में नल-जल योजना के माध्यम से घर- घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिकों और किसानों को भरपूर मात्रा में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों के लिए पक्के आवास भवन बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब परिवारों को पक्के मकान में रहने के सपनों को साकार किया है।

आने वाली पीढ़ी को दें संस्कार

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार और सुविधाएं देना आवश्यक है। जिससे वे अच्छी आदतों को आत्मसात कर सकें। उन्होंने कहा कि हमें पौधरोपण कर पर्यावरण की रक्षा करनी होगी और जल संरक्षण के लिए भी कार्य करना होगा। जिससे हमें शुद्ध हवा एवं शुद्ध जल की प्राप्ति हो सके। उन्होंने कहा कि हमारा समाज नशे की चुनौतियों का सामना कर रहा है। आने वाली पीढ़ी को नशे की चंगुल से बचाना होगा। उन्हें नशे के दुष्परिणाम बताने होंगे, जिससे हमारे और आपके बच्चे स्वस्थ व निरोग रहें। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व में कोरोना काल जैसे संकटों का सहजता से सामना किया है। प्रधानमंत्री जी ने कोरोना जैसी महामारी से नागरिकों को प्रभावित नहीं होने दिया। इस दौरान प्रत्येक नागरिकों के लिए सुरक्षा और चिकित्सा का सम्पूर्ण प्रबंध किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोरोना काल में भारत देश के साथ- साथ अन्य देशों की भी मदद की। उन्होंने कहा कि अमेरिका- ईरान युद्ध के दौरान भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की कमी नहीं होने दी जा रही है। इस युद्ध के दौरान भी देश के नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति की जा रही है।

नागरिक स्वच्छता में करें सहयोग

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिला एक प्राचीन एवं समृद्ध जिला है। नरसिंहपुर जिला अपनी विविधता से देश में अपनी पहचान कायम रखा है। नरसिंहपुर में सबसे उपजाऊ भूमि है, धार्मिक क्षेत्र है और यह कृषि प्रधान जिला है। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में रोजाना हजारों लोगों का आना-जाना लगा रहता है, हमें उनकी भी मूलभूत सुविधाओं की चिंता भी

करनी चाहिए। जिससे जिला मुख्यालय में आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी सरकार ने प्राचीन नदियों को पुनर्जीवन करने का कार्य प्रारंभ किया है। नदियों की पहचान ही ऐसी है, कि वह अपने इतिहास को समेटे हुए प्रवाहित होते रहती है, जिससे विभिन्न सभ्यताओं की जानकारी मिलती है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सभी नागरिकों को संकल्प लेना होगा कि सिंगरी नदी के जल को साफ व स्वच्छ रखने के लिए गंदा पानी नदी में प्रवाहित न करें। यह हम सभी के लिए एक चुनौती है, लेकिन इसे पूरा करना हमारा दायित्व है। सिंगरी नदी का जल आगे जाकर मां नर्मदा जी में समाहित होता है, इसलिए सिंगरी नदी का जल साफ व स्वच्छ होकर प्रवाहित हो, इसके लिए सभी नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि शहर को साफ व स्वच्छ रखने के लिए शहरवासी अपने घरों का कचरा इधर-उधर न फेंके, कचरे को हमेशा डस्टबिन में ही डाले। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने इसके पूर्व प्रगति पथ यात्रा नर्मदा आश्रय स्थल बरमानकलां का निरीक्षण कर पौधरोपण किया।

खबर संक्षेप

सुरक्षित मातृत्व शिविर में 40 गर्भवती महिलाओं की जाँच

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित शिविर में 40 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा एवं बीएमओ डॉ. राजकिशोर पटेल के मार्गदर्शन में सीएचसी प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने महिलाओं की जाँच कर परामर्श दिया। शिविर में हाई रिस्क प्रेगनेंसी जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान की गई। साथ ही महिलाओं को निःशुल्क खून पेशाब की जाँच जरूरी दवाइयाँ पोषण की जानकारी और घर से लाने ले जाने के लिए वाहन की सुविधा दी गई। इस दौरान सुपरवाइजर मो. शफीक कुरैशी सहित सीएचसी स्टाफ आशा कार्यकर्ता और पैथोलॉजी टीम का विशेष सहयोग रहा।

हज यात्रा से लौटने पर हुआ जोरदार स्वागत

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित कुरैशी परिवार के शेख जुम्मन कुरैशी एव उनकी अहलिया अकीला कुरैशी अपनी 45 दिवसीय पवित्र हज यात्रा संपन्न कर सकुशल गृह नगर लौट आए हैं। उनके वापस लौटने पर परिजनों शुभचिंतकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक उनका आत्मीय स्वागत किया। दोनों हज यात्रियों ने मक्का-मदीना के प्रमुख पवित्र स्थलों की जियारत की और हज के सभी अरकान को पूरी श्रद्धा व अकीदत के साथ पूरा किया। सऊदी अरब में हज की समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बाद वे भारत लौटे।

मायके से लापता विवाहिता दस्तयाब

गोटेगांव। थाना क्षेत्र के एक गांव में मायके से लापता हुई विवाहिता को पुलिस ने सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। पूछताछ के दौरान महिला ने पति के साथ रहने से इनकार करते हुए प्रेमी के साथ जीवन बिताने की इच्छा जताई।थाने में किया खुलासाघटना 4 जून की बताई जा रही है। महिला के अचानक गायब होने पर परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने तलाश कर महिला को थाने लाकर पूछताछ की, जहां उसने प्रेमी के साथ रहने की बात कही।समझाइश के बाद भी नहीं मानीपुलिस ने युवक और दोनों पक्षों के परिजनों को थाने बुलाकर समझाइश दी, लेकिन महिला अपने निर्णय पर अडिग रही। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर महिला की इच्छा के अनुसार कार्रवाई की। कॉलेज के समय से था प्रेम संबंधजानकारी के अनुसार महिला और युवक की पहचान कॉलेज के दौरान हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। करीब एक वर्ष पूर्व युवती का विवाह जिले से बाहर कर दिया गया था, लेकिन वह विवाह के बाद कुछ समय ही ससुराल में रही।

अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

नरसिंहपुर। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए संयुक्त निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग के प्रभारी खनि निरीक्षक श्री नीरज रामटेके द्वारा 5 जून 2026 को एक ट्रैक्टर ट्राली और 10 जून 2026 को एक ट्रैक्टर ट्राली खनिज रेत का अवैध उत्खनन परिवहन करते हुए पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहनों को क्रमश पुलिस थाना सांईखेड़ा एवं पुलिस थाना स्टेशनगंज की अभिरक्षा में रखा गया है।

कलेक्टर ने की समीक्षा

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मानसून सत्र के पूर्व तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया मरम्मत, नगरीय निकायों में जर्जर भवन, स्कूल, छात्रावास, आंगनवाड़ी, पंचायत भवन, नहर एवं डेम सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन के तत्वावधान में संगठन के तृतीय स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन का तृतीय स्थापना दिवस को पं. आचार्य श्रीराम शर्मा गायत्री मंदिर सभागार में आयोजित किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह में संगठन की विगत तीन वर्षों की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आय-व्यय प्रतिवेदन की समीक्षा की जाएगी। साथ ही संगठन से जुड़े नवीन सदस्यों का स्वागत, अभिनंदन एवं सम्मान किया जाएगा। समारोह की रूपरेखा, विभिन्न व्यवस्थाओं एवं दायित्वों के निर्धारण पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में पेंशनर्स के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस योजना के अंतर्गत मेडसेव कंपनी द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के संबंध में पेंशनर्स को आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके समाधान हेतु संबंधित प्रबंधन एवं अधिकारियों के समक्ष विषय उठाने का निर्णय लिया गया। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक में नरसिंहपुर शाखा के प्रतिनिधियों के सम्मिलित होने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में सुभाष दुबे, बी.एस. पटेल, जी.के. चतुर्वेदी, ए.के. श्रीवास्तव, अशोक गुप्ता, इंजी.एस.के. कुर्मी, संत कुमार शर्मा, अरुण खरे, सतीश गुप्ता, ऋषि कुमार महोबिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मूंग काटने जा रहे मजदूरों से भरा वाहन पलटा, 19 घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर ढिगसरा तिराहे के पास दर्दनाक सड़क हादसे मे बड़ी संख्या में मजदूर घायल हो गए जिनका उपचार जारी है। बरमान से मूंग की फसल काटने जा रहे मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे का कारण मोड़ पर अचानक वाहन का टायर फटना बताया जा रहा है। इस दुर्घटना में करीब 19 मजदूर घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उक्त संबंध मे बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन बरमान क्षेत्र से महिला मजदूरों को लेकर बिंदली सीमा क्षेत्र ग्राम बिंदली जिला सागर मूंग की कटाई के लिए जा रहे थे। जैसे ही वाहन एनएच 44 पर ढिगसरा तिराहे के पास पहुंचा, तभी तेज गति में मोड़ पर उसका टायर फट गया। टायर फटते ही चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और पिकअप बीच सड़क पर पलट गया। वाहन पलटते ही मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों द्वारा बचाव कार्य किया गया। घायलों को उपचार हेतु निजी वाहन से जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार किया जा रहा है। गनीमत रही कि उक्त हादसे किसी प्रकार की जनहानि नही हुई। हादसे में शामिल तथा वाहन में सवार एक प्रत्यक्षदर्शी युवक ने बताया कि पिकअप में 30 से 35 मजदूर सवार थे। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल मजदूरों को निजी वाहनों के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, वर्तमान में कुल 19 घायलों का इलाज चल रहा है। वही पुलिस का कहना कि अस्पताल तहरीर प्राप्त होने के बाद जांच की जावेगी। उक्त संबंध में पुलिस को जानकारी नही दी गई है। अब देखना होगा की घटना के संबंध मे पुलिस द्वारा की जाने वाली जांच में क्या सामने आता है। घायलों में महिलाओं की संख्या अधिक हादसे में घायल होने वालों में मुख्य रूप से कविता धानक, संगीता, बतिबाई, तुलसा बाई, यशोदा बाई, राणिनी बाई, अंजू बाई, शांतिबाई और कृष्णा बाई सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं। सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। मामले में बरमान चैकी प्रभारी आशीष बोपचे ने बताया कि न तो डायल 112 पर कोई इवेंट आया और न ही 108 एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल से तहरीर आने के बाद मामले को जांच में लिया जाएगा और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसजनों द्वारा धरना व उपवास रख कर किया विरोध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना देकर उपवास कर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एवं अन्याय के विरोध में हम विरोध प्रकट कर रहे हैं। क्योंकि भाजपा, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के दबाव में आकर रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त किया है। इस कार्रवाई से खुलेआम लोकतंत्र की हत्या की गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि देश के सभी कानून के जानकार, विशेषज्ञ इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं। परंतु अफसोस है कि निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में लूट मचाए हुए है। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी, जिला कांग्रेस संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस अनुचित करवाई का हम गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे और पार्टी नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, जनपद उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, नपा नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी, प्रदेश सचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ अस्सू नेमा, जिला सेवादल अध्यक्ष अतुल चैरसिया,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला एन एस यू आई अध्यक्ष ईशान राय, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव जितेंद्र लोधी के साथ बड़ी संख्याओं कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष: सेवा, सुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर बच्चों ने बनाए सीड बॉल

गोटेगांव।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे जनजागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित रेलवे कॉलोनी की संजय निकुंज नर्सरी में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु सीड बॉल (बीज गेंद) निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उद्यान अधीक्षिका स्वाति अग्रवाल, कार्यरत माली मोहम्मद हाकिम खान, स्नेहलता श्रीवास्तव, प्रभा विश्वकर्मा तथा बच्चों ने सक्रिय सहभागिता की।इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी, घटती हरियाली और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के सामने गंभीर चुनौतियां बनकर खड़े हैं। यदि समय रहते वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़

सकता है। बच्चों को विभिन्न प्रकार के बीजों की पहचान कराई गई तथा सीड बॉल बनाने की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने स्वयं सीड बॉल तैयार किए, जिनमें कंजी, सेमल, नींबू, पपीता, मुनगा (सहजन) और आम सहित विभिन्न पौधों के बीजों का उपयोग किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।स्नेहलता श्रीवास्तव ने बताया कि सीड बॉल के माध्यम से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक स्थानों पर पौधों का प्राकृतिक रूप से विकास संभव है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और सहभागिता की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी जैसे विषयों को राष्ट्रीय प्राथमिकता मिली है। इन्हीं प्रेरणादायी प्रयासों से प्रेरित होकर बच्चों के बीच यह गतिविधि आयोजित की गई, जिससे वे पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझें और समाज में हरियाली बढ़ाने के अभियान का हिस्सा बनें।श्रीमती श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि यदि प्रत्येक विद्यालय में प्रत्येक छात्र को कम से कम पांच सीड बॉल बनाने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर विसर्जित करने का लक्ष्य दिया जाए तो यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनआंदोलन का रूप ले सकता है। इससे बच्चे सीखेंगे भी, प्रकृति से जुड़ेंगे भी और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझेंगे। इस कार्य में रागिनी यादवअनय यादव भावना कुशवाहा गरिमा कुशवाहा शोभा कुशवाहा रीना चौधरी रंजना चौधरी कविता शर्मा ज्योति यादव बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

त्यागपत्र देने के बाद भी आंगनबाड़ी सहायिका को भेजे जा रहे नोटिस, एसडीएम से लगाई न्याय की गुहार

गोटेगांव।

विकासखंड के ग्राम पिपरिया लाटगांव की आंगनवाड़ी सहायिका राजश्री विश्वकर्मा ने त्यागपत्र देने के बावजूद लगातार नोटिस मिलने से परेशान होकर एसडीएम से शिकायत की है। तीन नोटिस मिलने से परेशान राजश्री विश्वकर्मा के अनुसार उन्होंने 19 मई 2026 को महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी के समक्ष त्यागपत्र दिया था। इसके बाद भी उन्हें तीन नोटिस जारी किए जा चुके हैं। शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधानसहायिका का आरोप है कि त्यागपत्र देने से पहले उन्होंने केंद्र में हो रही परेशानियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रताड़ना की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।विभागीय कार्यप्रणाली पर सवालराजश्री का कहना है कि समस्याओं के निराकरण के अभाव में उन्होंने इस्तीफा दिया। अब त्यागपत्र के बाद भी नोटिस जारी किए जाने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ली सुरक्षा और संरक्षण की शपथ

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा विषय पर गोष्ठी का आयोजन कर पखवाडा बनाने के संकल्प के साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुये इस कार्यक्रम में अधिकारियों कर्मचारी विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में साफ सफाई की गई। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किये जिसमे उन्होंनें बताया कि विद्यार्थियों को अपने आसपास की स्वच्छता को बनाये रखना चाहिए। पॉलीथिन उपयोग के निषेध पर जोर दिया। महाविद्यालय में स्वच्छता जारूकता रैली निकाली गई। जिसमे जयश्री लोधी राजकुमारी लोधी अगमा पलक साहू मोनिका प्रिंसी लेखराम अभिलाषा नंदनी आकांक्षा गौंड कपिल पटैल बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उन्होंने संकल्प लिया कि पर्यावरण की सुरक्षा अपने आसपास की साफ-सफाई का ध्यान रखेगें।

कथा पुण्य के लिए नहीं परिवर्तन के लिए होती है: व्यास पीठ से विपिन बिहारी

तेंदूखेड़ा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन चल रहे हैं।इसी श्रंखला के चलते देवरी राजमार्ग में 9 जून से शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के माध्यम से प्रथम दिवस कथा व्यास पं विपिन विहारी महाराज ने श्रीमद्भागवत पुराण का महत्व बड़े ही सुन्दर भाव से समझाते हुए कहा कि आज कल जगह जगह कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह चल रहे हैं लेकिन लोगों के आचार विचार नहीं बदल रहे हैं।कथा पुण्य के लिए नहीं बदलाव के लिए हुआ करती है। हमें अपने जीवन में कथाओं के सार को उतारने आचार विचार करने की जरूरत है।मानव जीवन मिला है तो इसमें भगवान का

नाम लेना जरूरी है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ना ही मानव जीवन का सार है।भागवत कथा चार सूत्रों में बंधी हुई है। ज्ञान ध्यान दान और भगवान जिसने इनको समझ लिया मानों उसने भगवान को पा लिया। सत्संग करने से ज्ञान मिलता है। और ज्ञान से ध्यान मिलता है ध्यान से ही भगवान की प्राप्ति होती है।मानव जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है इसे श्रेष्ठ बनाओं। परमात्मा से जोड़ो इस जीवन में मौत मातम महोत्सव तीन विषय है। भगवान से मिले बगैर ही यदि मौत आ जाये तो मानव जीवन में आना बेकार है। और भगवत की शरण में रहते हुए मौत आ जाये तो वह महोत्सव हो जाती है।भागवत ही एक मात्र ऐसा ग्रंथ है जो तीनों लोकों में मिलती है। जिसका स्वयं नारद जी देव और सारे तीर्थ इस कथा को श्रवण करते हैं।जो गंगा दूसरों के पापों को धुलती है वह स्वयं भागवत की शरण में रहती हैं। संत सज्जन सती जो स्वयं पवित्र है जो व्यक्ति अपने जीते जी श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करता है और अपने जीवन में कथा के विचारों को उतारता है आचार विचार करता है स्वभाव में लाता है वही वैकुंठ धाम का हकदार हो जाता है।देह को देवालय बनाओ घर को मंदिर बनाओ मनुष्य में मनुष्यता आ जाये यही कथा है। कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता पहुंच रहें हैं। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।